Regarding pollution caused by various industrial establishments in Giridih district

श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी **(**गिरिडीह**) :** महोदय, मेरे लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत जितने भी कोयला परियोजनाएँ चल रही है उन्हें CTO देने के लिए जो शर्तें दी गयी थीं, उनका अनुपालन किया जाना था, जैसे जल संरक्षण, वृक्षारोपण और अन्य जो भी कार्य हैं जिनके लिए अलग से राशि का प्रावधान हैं, लेकिन उन पर काम नहीं हो रहा ।

कोयला परियोजनाओं को CTO देने के लिए शर्तों का अनुपालन हो रहा है या नहीं इसकी जांच केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा की जाए और साथ ही गिरिडीह नगर के पूर्वी क्षेत्र में पिछले 25 वर्षों से गादी श्रीरामपुर, मोहनपुर, उदनाबाद, फुलची पंचायत के गावों में प्रदूषण फैलाया जा रहा है ।

प्रदूषण की स्थिति इतने सालों में अब इतनी भयावह हो गयी है कि लोग सांस की बीमारी से मर रहे है, बच्चे दिव्यांग पैदा हो रहे हैं । कृषि योग्य भूमि बंजर हो गयी है । वन विभाग द्वारा लगाए गए पेड़ भी नष्ट हो चुके है । भूजल का स्तर काफी गिर गया और महुआटांड़ गाँव तो जलविहीन हो गया है । उसरी नदी के पानी को भी इन फैक्ट्रीज़ द्वारा प्रयोग किया जा रहा है जिसके वजह से उसका अस्तित्व आज खतरे में है । जिला प्रशासन द्वारा हर बार आश्वासन के बावजूद कंपनियों द्वारा प्रदूषण उत्सर्जन रोकने के लिए तय मानकों के ESP तक का प्रयोग नहीं कर रही । इन्हें रोकने के लिए जिला प्रशासन और राज्य प्रशासन असमर्थ है । अब वहाँ के ग्रामीण इतने त्रस्त हो चुके हैं कि वहां के लोगों ने इस बार वोट का भी बहिष्का किए हैं ।

मैं सरकार से मांग करता हूँ कि पर्यावरण संरक्षण हेतु आपके माध्यम से मेरा केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री से अनुरोध है की केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा इन फैक्ट्रीज़ की पर्यावरण मंजूरी और संचालन करने की सहमति कैसे दी जा रही है इसका स्वतः संज्ञान लेकर इसकी जांच करें और जब तक सारे पर्यावरण मानकों को पूरा न कर लिया जाए तब तक इन्हे बंद रखे ।